ट्रेक्टर ड्राईवरिंग कौशल के माध्यम से आजीविका सृजन

केस स्टोरी

नाम - रेखा चौधरी पुत्री बालूराम
शिक्षा - BA II वर्ष
गांव - श्रीरामपुरा, पंचायत चेनपुरा (ननिहाल)
कृषि भूमि - 10 बीघा
ट्रेक्टर ट्रेनिंग अवधि - 12 दिन
आयोजक - विकासोन्मुख संस्थान, नरैना जयपुर (राजस्थान)
सहयोग - ब्रिजस्टोन इण्डिया प्राइवेट लिमीडेड

ट्रेनिंग से पूर्व

में घर पर रहकर पढाई कर रही थी कही बार मेने सिलाई, कढ़ाई, कंप्यूटर की ट्रेनिंग लेनी चाही मगर यह ट्रेनिंग अधिकतर जयपुर में होती थी। इस कारण घर वाले मना कर देते थे। मेरी इच्छा मन की मन में ही रह जाती थी मेरा स्वभाव बचपन से ही चंचल प्रवृति का रहा है जिससे सीखना मेरे स्वभाव में था परिवार वाले भी इसको समझते थे। जैसे ही यह ट्रेनिंग हमारी पंचायत में आई मुझे मेरे मामा ने बताया और मेरा ट्रेनिंग लेने का फ़ाइनल हो गया।

ट्रेनिंग के बाद

संस्था टीम ने ट्रेनिंग अच्छे से दी ट्रेक्टर के पार्ट्स उसके काम करने के तरीके, सञ्चालन के दोहरान रखने वाली सावधानियों को बारीकी से समझाया आज में पूर्ण रूप से अपने परिवार की खेती के कार्यो में मदद कर पा रही हूँ । में अधिकतर ननिहाल में ही रहती आई हूँ अबकी बार जब में अपने गांव (परिवार) के पास गई तो उनको अचंबित किया जब मेने ट्रेक्टर चलाकर दिखाया पिताजी ने ननिहाल वालो को मेरी बेटी को एक बैठा बनाकर भेजने पर धन्यवाद किया और कहा की जो में काम नहीं पर पाया वह इसके ननिहाल वालो ने और संस्थान वालो ने कर दिखाया। में आज ट्रेनिंग लेकर दो परिवारों को खेती कार्यो में सहयोग कर रही हूँ। मुझे अच्छा लग रहा है में अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ।

मुझे RTO से चारपहिया वाहन का लाइसेंस भी मिला है जिससे में अब अन्य वाहन भी चला सकती है।

धन्यवाद विकासोन्मुख संस्थान और ब्रिजस्टोन का जिन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओ के बारे इतना सोचा और अपनी आजीविका के काबिल बनाया ।